15. एक्की दोक्की

0217CH15

दो बहनें थीं। एक का नाम था एककेसवाली और दूसरी का नाम था दोनकेसवाली। दोनों बहनें अपने अम्मा और बाबा के साथ एक छोटे से घर में रहती थीं।

एककेसवाली का एक ही बाल था इसलिए सब उसे एक्की बुलाते थे। दोनकेसवाली बड़ी घमंडी थी। उसके दो बाल थे इसलिए सब उसे दोक्की बुलाते थे।

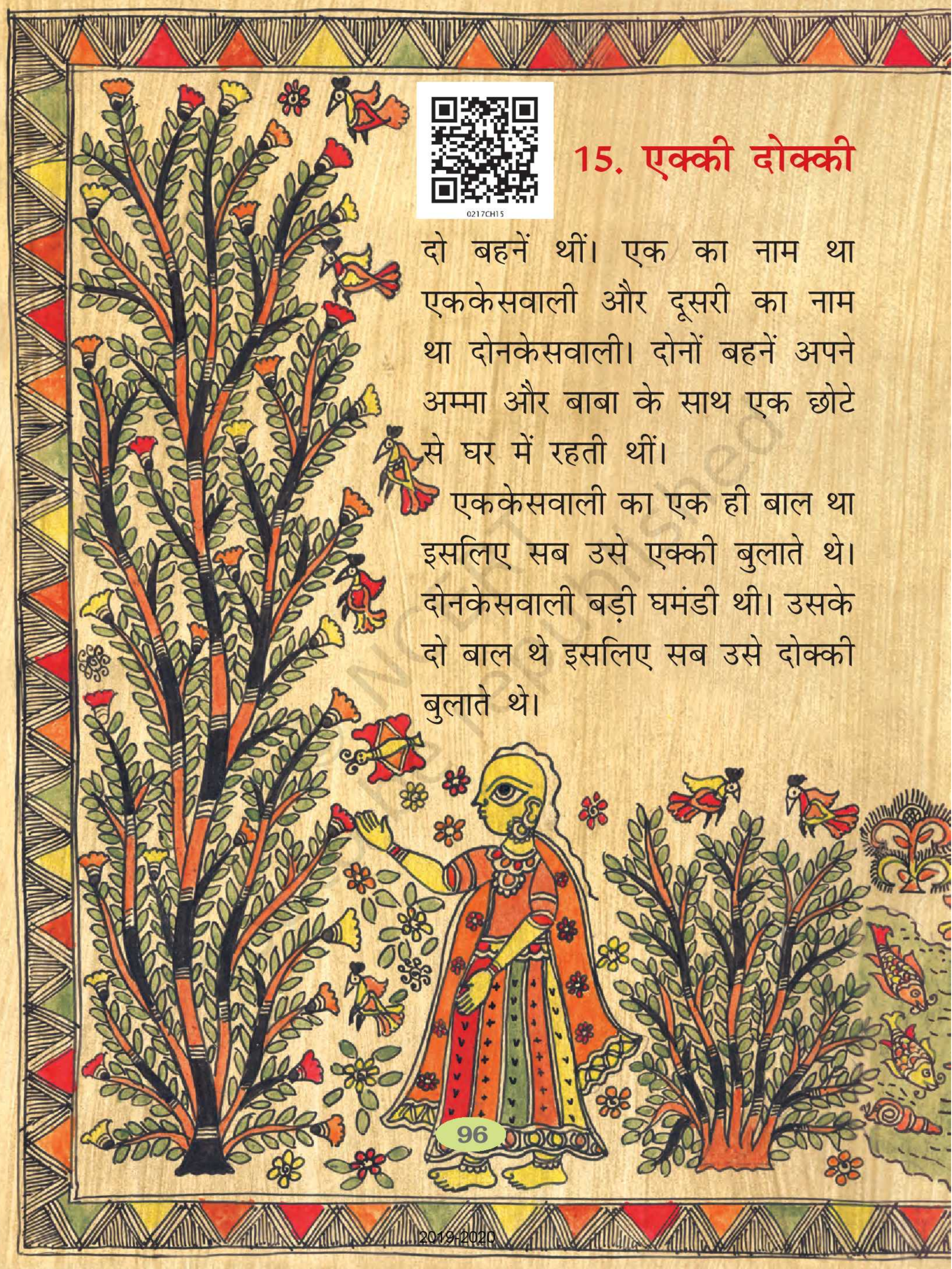

अम्मा सोचती थी कि दोक्की जैसी सुंदर लड़की तो दुनिया में है ही नहीं। और बाबा– उनको सोचने की फ़ुरसत ही कहाँ! काम में जो उलझे रहते थे।

दोक्की हमेशा अपनी बहन पर रौब जमाती रहती। एक दिन एक्की घने जंगल में गई। चलते–चलते वह घने जंगल के बीच आ पहुँची। चारों तरफ़ सन्नाटा था। अचानक उसने एक आवाज़ सुनी– पानी! मुझे प्यास लगी है! कोई पानी पिला दो!

एक्की रुकी और उसने चारों तरफ़ घूमकर देखा। वहाँ तो कोई नहीं था। फिर उसने देखा, सूखी, मुरझाई हुई मेहँदी की एक झाड़ी, जिसके पत्ते सरसरा रहे थे।

पास में ही पानी की धारा बह रही थी। एक्की ने चुल्लू में पानी भरकर एक बार, दो बार, कई बार झाड़ी के ऊपर डाला।

मेहँदी की झाड़ी बोली– धन्यवाद एक्की! मैं तुम्हारी ये मदद याद रखूँगी।

एक्की आगे बढ़ गई।

फिर अचानक सन्नाटे में उसे एक और आवाज़ सुनाई दी– मुझे भूख लगी है! कोई मुझे खाना खिला दो!

एक्की ने देखा कि एक मरियल सी गाय पेड़ से बँधी हुई थी।

एक्की ने घास-फूस इकट्ठी की और गाय को खिला दी। उसके बाद उसने गाय के गले में बँधी रस्सी को खोल दिया।

धन्यवाद एक्की! मैं तुम्हारी ये मदद हमेशा याद रखूँगी– गाय ने कहा।

एक्की अब चलते–चलते थक गई थी। उसे गर्मी भी लग रही थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि अब वह क्या करे? कहाँ जाए?

तभी उसे दूर एक झोंपड़ी दिखाई दी। एक्की दौड़कर झोंपड़ी तक गई और आवाज़ लगाई– कोई है ?

एक बूढ़ी अम्मा ने दरवाज़ा खोला।

बूढ़ी अम्मा ने कहा– आहा! आ गई मेरी बच्ची? मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। आओ, अंदर आ जाओ।

एक्की हैरान हो गई और चुपचाप झोंपड़ी में आ गई।

झोंपड़ी में आकर उसे बहुत अच्छा लगा।

बूढ़ी अम्मा ने कहा– आओ बेटी, तुम्हारे लिए नहाने का पानी तैयार है। पहले अच्छी तरह से तेल लगाओ और उसके बाद नहा लो। फिर हम खाना खाएँगे।

एक्की ने शरमाते हुए कहा– नहीं! नहीं!

अम्मा ने पुचकार कर कहा– अरे नहीं क्या! जैसा मैं कहती हूँ वैसा करो।

एक्की ने बूढ़ी अम्मा की बात मान ली।

फिर पता है क्या हुआ?

एक्की ने जैसे ही अपने सिर से तौलिया हटाया तो उसने पाया कि उसके सिर पर एक नहीं परंतु बहुत सारे बाल थे।

एक्की इतनी खुश हुई कि वह खाना खा ही नहीं सकी। बस, बार-बार वह बूढ़ी अम्मा का धन्यवाद ही करती रही!

बूढ़ी अम्मा ने मुस्कुराते हुए कहा– अब तुम घर जाओ बेटी और हमेशा खुश रहो।

एक्की के तो जैसे पंख ही निकल आए। वह सरपट घर की तरफ़ दौड़ चली। रास्ते में उसे गाय ने मीठा-मीठा दूध दिया और झाड़ी ने हाथों पर रचाने के लिए मेहँदी दी।

घर पहुँचकर एक्की ने सारी कहानी सुनाई।

दोक्की कहानी सुनते ही सीधे जंगल की तरफ़ भागी।

दोक्की इतना तेज़ भाग रही थी कि न उसने प्यासी झाड़ी और न ही भूखी गाय की पुकार सुनी।

वह तो धड़धड़ाती हुई झोंपड़ी में घुस गई और बूढ़ी अम्मा को हुक्म दिया– मेरे लिए नहाने का पानी तैयार करो।

हाँ, आओ, मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। पानी तैयार है, नहा लो– बूढ़ी अम्मा ने दोक्की से कहा।

झटपट नहाने के बाद जैसे ही दोक्की ने तौलिया सिर से हटाया, उसकी तो चीख निकल गई!

दोक्की के दो ही तो बाल थे और वे भी झड़ गए थे।

रोते-रोते दोक्की घर की तरफ़ चलने लगी। रास्ते में उसे गाय ने सींग मारा और मेहँदी की झाड़ी ने काँटे चुभो दिए।

मगर अब दोक्की अपना सबक सीख चुकी थी। इसके बाद एक्की, दोक्की अपने अम्मा-बाबा के साथ खुशी-खुशी रहने लगीं।

कहानी से

- क्या बूढ़ी अम्मा पहले से जानती थीं कि एक्की और दोक्की उनके घर आने वाली हैं? तुम्हें कैसे पता चला?
- दोक्की का मेहँदी की झाड़ी और गाय पर ध्यान क्यों नहीं गया?
- एक्की ने झाड़ी और गाय की मदद कैसे की?

मेहँदी

- मेहँदी की झाड़ी ने एक्की को लगाने को मेहँदी दी। मेहँदी की झाड़ी से लगाने के लिए मेहँदी कैसे तैयार की जाती है? पता करो और सही क्रम में लिखो।

  पहले मेहँदी की झाड़ी से ....

  ....

  ....

  ....

  ....

- मेहँदी जब रचाई जाती है तब उसका रंग गाढ़ा होता है और धीरे-धीरे फीका पड़ता जाता है। किन-किन चीज़ों का रंग कुछ समय बाद फीका हो जाता है?

  मेहँदी ....

  सूती कपड़े ....

© NCERT not to be republished

- नीचे दी गई जगह में अपनी हथेली को रखो। अब इसके चारों ओर पेंसिल फिराओ। लो बन गया तुम्हारा हाथ। मेहँदी से जो डिज़ाइन तुम अपनी हथेली पर बनाना चाहते हो वह बनाओ।

अपने मन से

कहानी में दोनों बहनों का नाम उनके बालों की संख्या पर पड़ा। सोच कर खाली जगह में नाम लिखो।

बालों की संख्या	पूरा नाम	छोटा नाम
1	एककेसवाली	एक्की
2	दोकेसवाली	दोक्की
100	....	....
0	....	....

© NCERT not to be republished

तुम्हारे वाक्य

नीचे कुछ वाक्य लिखे हैं। हर वाक्य में एक मोटा शब्द छपा है। है, उनकी मदद से तुम अपने मन से सोचकर वाक्य बनाओ और कक्षा में बताओ।

- जंगल में चारों तरफ़ **सन्नाटा** था।
- बाबा को सोचने की **फ़ुर्सत** ही कहाँ, काम में जो उलझे रहते थे।
- वह **सरपट** घर की तरफ़ दौड़ चली।
- मेहँदी की झाड़ी **मुरझा** गई थी।

नाम-काम

एक्की ने देखा कि एक मरियल-सी गाय पेड़ से बँधी हुई थी।

एक्की, **गाय** और **पेड़** नाम वाले शब्द हैं ।

देखा और **बँधी** काम वाले शब्द हैं।

कहानी में से ऐसे पाँच-पाँच शब्द और छाँटकर लिखो।

नाम वाले शब्द	**काम वाले शब्द**
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

© NCERT not to be republished

रचनाकार-जिनकी कविता और कहानियाँ हमने पढ़ीं

1.	ऊँट चला	प्रयाग शुक्ल
2.	भालू ने खेली फ़ुटबॉल	हरदर्शन सहगल
3.	म्याऊँ, म्याऊँ!!	धर्मपाल शास्त्री
	बिल्ली कैसे रहने आई आदमी के संग	विजय एस.सिंह
4.	अधिक बलवान कौन?	योगेश जोशी
5.	दोस्त की मदद	ए.के. रामानुजन
6.	बहुत हुआ	हरीश निगम
	काले मेघा पानी दे	कौशल पाण्डेय
	सावन का गीत	नवीन सागर
7.	मेरी वाली किताब	होल्गर पुक
8.	तितली और कली	शोभा देवी मिश्र
9.	बुलबुल	
10.	मीठी सारंगी	गणेश दत्त शर्मा
11.	टेसू राजा बीच बाज़ार	निरंकार देव सेवक
12.	बस के नीचे बाघ	
	तेंदुए की खबर	
	बाघ का बच्चा	प्रयाग शुक्ल
13.	सूरज जल्दी आना जी	रमेश तैलंग
14.	नटखट चूहा	
15.	एक्की-दोक्की	संध्या राव
16.	छुट्टी हुई खेल की	रामकृष्ण शर्मा खद्दर

© NCERT not to be republished

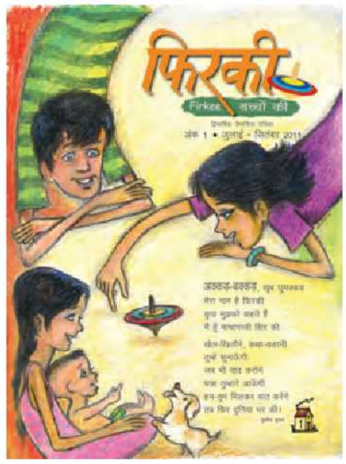

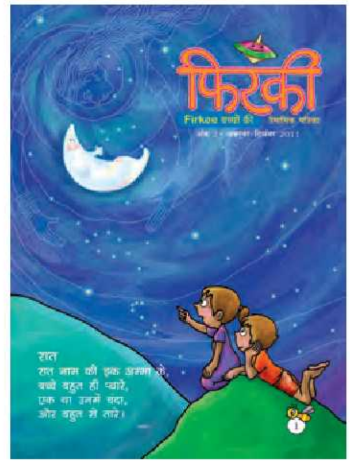

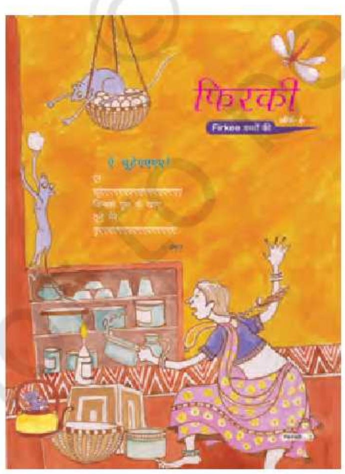

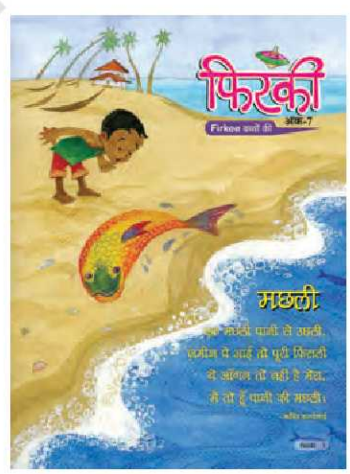

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ncert.nic.in देखिए अथवा व्यापार प्रबंधक, प्रकाशन प्रभाग, एनसीईआरटी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 से संपर्क कीजिए।